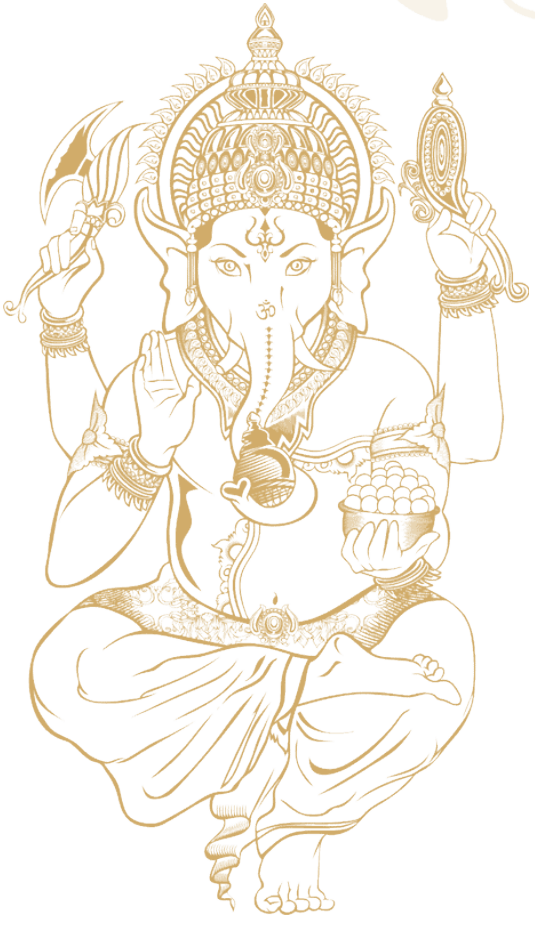

Suchita Devi

09 Oct 1998

08:15 AM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121800602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/10/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:15:00 घंटे**
इष्ट	05:25:22 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	80:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:06:16 घंटे
वेलान्तर	00:12:37 घंटे
साम्पातिक काल	09:16:22 घंटे
सूर्योदय	06:04:51 घंटे
सूर्यास्त	17:47:03 घंटे
दिनमान	11:42:12 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	21:46:21 कन्या
लग्न के अंश	19:34:42 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्धि
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:34:42	312:34:14	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	---
सूर्य			कन्या	21:46:21	00:59:14	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	सम राशि
चंद्र			वृष	08:01:35	14:45:26	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	07:08:18	00:36:39	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	तुला	01:22:30	01:36:53	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मित्र राशि
गुरु	व		कुंभ	26:21:28	00:06:26	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	सम राशि
शुक्र		अ	कन्या	16:19:48	01:14:57	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि	व		मेष	07:28:20	00:04:31	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	राहु	नीच राशि
राहु	व		सिंह	06:40:11	00:06:09	मघा	3	10	सूर्य	केतु	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	06:40:11	00:06:09	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:00:45	00:00:29	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	05:32:56	00:00:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	12:14:25	00:01:40	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	---
दशम भाव			कर्क	22:47:53	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:13

लग्न-चलित

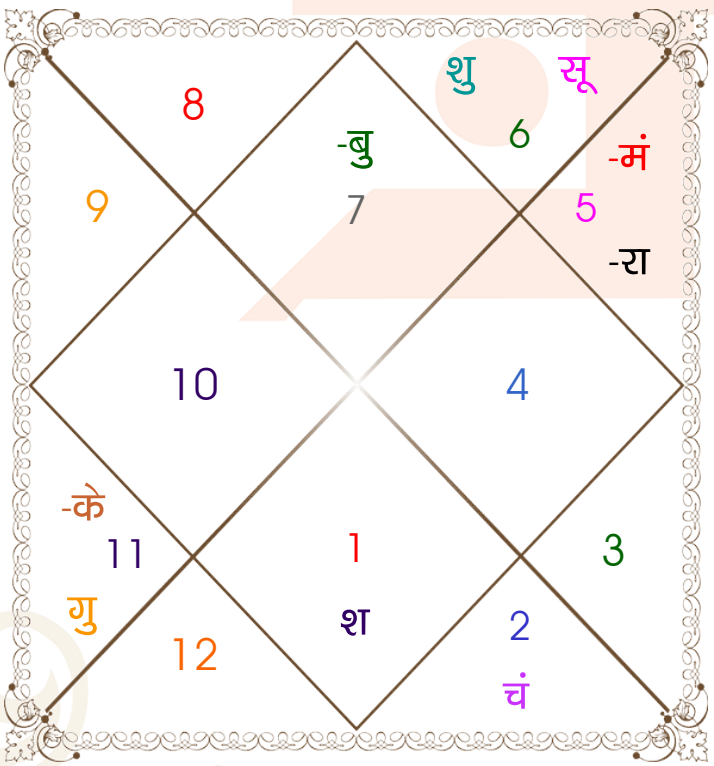

चन्द्र कुंडली

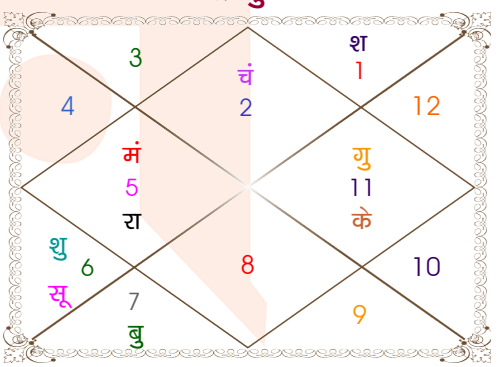

नवमांश कुंडली

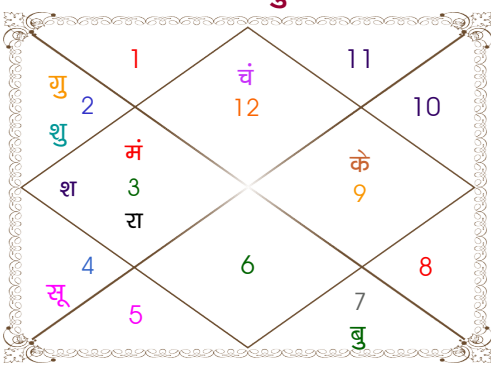

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 10 मास 20 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/10/1998		29/08/1999		29/08/2009		28/08/2016		29/08/2034	
29/08/1999		29/08/2009		28/08/2016		29/08/2034		29/08/2050	
	00/00/0000	चंद्र	29/06/2000	मंगल	25/01/2010	राहु	12/05/2019	गुरु	16/10/2036
	00/00/0000	मंगल	28/01/2001	राहु	12/02/2011	गुरु	04/10/2021	शनि	29/04/2039
	00/00/0000	राहु	30/07/2002	गुरु	19/01/2012	शनि	10/08/2024	बुध	04/08/2041
	00/00/0000	गुरु	29/11/2003	शनि	27/02/2013	बुध	28/02/2027	केतु	11/07/2042
	00/00/0000	शनि	29/06/2005	बुध	24/02/2014	केतु	17/03/2028	शुक्र	11/03/2045
	00/00/0000	बुध	28/11/2006	केतु	23/07/2014	शुक्र	18/03/2031	सूर्य	28/12/2045
	00/00/0000	केतु	29/06/2007	शुक्र	23/09/2015	सूर्य	10/02/2032	चंद्र	29/04/2047
	09/10/1998	शुक्र	27/02/2009	सूर्य	28/01/2016	चंद्र	10/08/2033	मंगल	04/04/2048
शुक्र	29/08/1999	सूर्य	29/08/2009	चंद्र	28/08/2016	मंगल	29/08/2034	राहु	29/08/2050

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/08/2050		29/08/2069		29/08/2086		29/08/2093		30/08/2113	
29/08/2069		29/08/2086		29/08/2093		30/08/2113		10/10/2118	
शनि	01/09/2053	बुध	25/01/2072	केतु	25/01/2087	शुक्र	28/12/2096	सूर्य	17/12/2113
बुध	11/05/2056	केतु	22/01/2073	शुक्र	26/03/2088	सूर्य	28/12/2097	चंद्र	18/06/2114
केतु	20/06/2057	शुक्र	22/11/2075	सूर्य	01/08/2088	चंद्र	29/08/2099	मंगल	24/10/2114
शुक्र	19/08/2060	सूर्य	28/09/2076	चंद्र	02/03/2089	मंगल	29/10/2100	राहु	18/09/2115
सूर्य	01/08/2061	चंद्र	27/02/2078	मंगल	29/07/2089	राहु	30/10/2103	गुरु	06/07/2116
चंद्र	03/03/2063	मंगल	25/02/2079	राहु	17/08/2090	गुरु	30/06/2106	शनि	18/06/2117
मंगल	10/04/2064	राहु	13/09/2081	गुरु	24/07/2091	शनि	30/08/2109	बुध	24/04/2118
राहु	15/02/2067	गुरु	20/12/2083	शनि	01/09/2092	बुध	30/06/2112	केतु	30/08/2118
गुरु	29/08/2069	शनि	29/08/2086	बुध	29/08/2093	केतु	30/08/2113	शुक्र	10/10/2118

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 10 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।